

लडका 3. जो गाढ़ा न हो यथा- पतला दूध 4. जो मोटा न हो यथा- पतला कागज, पतला कपड़ा 5. कमजोर, निर्बल, अशक्त 6. जिसकी चौड़ाई बहुत कम हो यथा- पतली गली मुहा. हालत पतली होना- दुर्दशा होना, दैन्य प्राप्त करना; पतले कान- सुनी-सुनाई बातों पर बिना विचारे भरोसा कर लेने वाले कान या ऐसे कान वाला व्यक्ति।

पतलापन पुं. (देश.) पतला होने का भाव या अवस्था।

पतलून पुं. (अं.पैटलून) 1. बिना मियानी का पाजामा जिसका पाँवचा सीधा रहता है 2. अंग्रेजी पाजामा।

पतलूननुमा पुं. (अं.+फा.नुमा) 1. वह पजामा जो पतलून जैसा या पतलून से मिलता जुलता हो 2. वि. पतलून की तरह का, पतलून सा।

पतवर क्रि.वि. (तद्.) 1. पंक्तिवार, पंक्तिक्रम से 2. बारबार।

पतवा पुं. (देश.) एक प्रकार का मचान, जिस पर बैठकर जंगल आदि में शिकार किया जाता है।

पतवार स्त्री. (देश.) 1. नाव चलाने, घुमाने, मोड़ने आदि में प्रयुक्त होने वाला लकड़ी का एक उपांग, उपकरण, कन्हर, कर्ण, पतवाल 2. कठिन समय में भवसागर से पार लाने वाला सहारा 3. ईख या सरकंडे की सूखी पत्तियाँ 4. कूड़ा-करकट यथा- खरपतवार।

पतवारी स्त्री. (देश.) ईख या सरकंडों का खेत।

पतवास स्त्री. (तद्.) पक्षियों का अड्डा, चिक्कान।

पतस पुं. (तत्.) 1. पक्षी, चिड़िया 2. फतिंगा, टिड्डी, शलभ 2. चंद्रमा।

पता पुं. (देश.) 1. किसी वस्तु, स्थान या व्यक्ति का ऐसा परिचय जो उसे ढूँढ़ने या उस तक पहुँचने में सहायक हो, वस्तु या व्यक्ति के स्थान का ज्ञान करने वाली पहचान, नाम या लक्षण यथा- आप कहाँ रहते हैं? अपने घर का पता बताइए 2. पत्र आदि पर लिखा गया वह विवरण जिससे यह ज्ञात हो कि यह पत्र कहाँ

जाना है तथा किसे मिलना है? 3. खोज, अनुसंधान, सुराग यथा- एक माह से बच्चे का कुछ पता नहीं 4. जानकारी, खबर, अभिज्ञता; यथा- आप तो यूरोप घूम चुके हैं आप को तो सब पता है 5. रहस्य, गहराई, भेद यथा- 'उसके मन में क्या है? इसका पता पाना कठिन है मुहा. पते की बात- तत्व की बात, भेदभरी बात।

पताई स्त्री. (देश.) 1. किसी वृक्ष या पौधे की ऐसी पत्तियाँ जो सूखकर झड़ गई हों 2. झड़ी हुई पत्तियों का ढेर मुहा. पताई लगाना- आग को दहकाने हेतु उसमें सूखी पत्तियाँ डालना चक झोंकना 3. कूड़ा-करकट।

पताकांशुक पुं. (तत्.) झंडा, झंडी, पताका।

पताका स्त्री. (तत्.) 1. लकड़ी या लोहे के डंडे पर ऊपरी सिरे से चढ़ाया या पहनाया गया तिकोना या चौकोर कपड़ा 2. झंडा, ध्वज, झंडी 3. सौभाग्य 4. तीर चलाते समय उँगलियों की विशिष्ट स्थिति 5. नाटक की प्रासंगिक कथा के दो भेदों पताका में से एक प्रकार जो कि नाटक की आधिकारिक कथा की सहायतार्थ आती हो तथा दूर तक चलती है 6. प्रतीक मुहा. पताका फहरना या उड़ना- किसी का एकाधिकार होना, ख्याति होना; विजय पताका लहरना- युद्ध या अन्य क्षेत्रों में विजय की या विजय पक्ष की पताका लहरना; पताका गिरना- हार होना, पराजय होना।

पताका दंड पुं. (तत्.) पताका का डंडा, ध्वजदंड, वह डंडा जिस पर झंडा लगाया जाता है।

पताकास्थान पुं. (तत्.) नाटक में वह स्थान जहाँ पताका हो।

पताकिक पुं. (तत्.) पताकाधारक, झंडाबरदार, झंडा उठाने वाला, आगे झंडा उठाकर चलने वाला।

पताकित वि. (तत्.) जिस पर पताका लगाई गई हो।

पताकिनी स्त्री. (तत्.) 1. सेना, फौज 2. एक देवी, ध्वजिनी।